एक नजर में

नवोदय प्रवेश परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी

गुना। नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-2026-27 कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन परीक्षार्थियों द्वारा भरे गये थे। जिसकी परीक्षा 13 दिसंबर को होना प्रस्तावित है, एवं परीक्षा में सम्मलित होने हेतु प्रवेश पत्र नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाईट उपलब्ध है। जिन्हें वेबसाईट पर पर जाकर प्रिंट किया जा सकता हैं।

एनएफएल टाउनशिप में लाखों की चोरी

गुना। जिले के विजयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएफएल टाउनशिप में एक बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। डी-4 क्वार्टर निवासी भाकरिया ओसारे पुत्र श्री मालसिह ओसारे ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि गत 27 नवंबर 25 की सुबह लगभग 8 बजे अपने परिवार के साथ अवकाश पर अपने गांव कदवाली (जिला खरगौन) गए हुए थे। 30 नवंबर को दिन में लगभग पौने बारह बजे उनके पड़ोसी ललित कुमार जोशी ने उन्हें फोन पर बताया कि उनके कमरे की लाइट जल रही है। जब भाकरिया ओसारे वापस लौटे और रात करीब 1 बजे अपने घर पहुंचे, तो सामने के गेट का ताला टूटा हुआ मिला। घर के भीतर जाकर देखने पर पूरा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और अलमारी भी टूटी हुई थी। चोरी गए सामान की जांच करने पर पता चला कि अज्ञात चोर लाखों रुपए के सोने-चांदी के आभूषण और नगदी लेकर फरार हो गए हैं। चोरी हुए आभूषणों में सोने का रानी हार, गले की माल, बाजू बंद, बड़ी झुमकी, चेन, चूड़ी, मंगल सूत्र का पेंडल, कान की टापस, कंचड़ी, दो अंगूठियां और नाक का कांटा शामिल है।

2016 से कागजों पर बने करोड़ों के खेल मैदान जमीन से गायब

बमोरी जनपद में 9 साल बाद भी मनरेगा की राशि से स्वीकृत 25 निर्माण अधूरे

नवभारत न्यूज

गुना/ बमोरी 2 दिस. सं। जिले की बमोरी जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में विकास योजनाओं के नाम पर बड़े पैमाने पर हो रहे भ्रष्टाचार ने ग्रामीण युवाओं के सपनों को भी निगल लिया है। पड़ताल में सामने आया है कि वर्ष 2016 में मनरेगा के तहत स्वीकृत करोड़ों रुपये के खेल मैदान निर्माण कार्य नौ वर्ष बीत जाने के बाद भी अधूरे पड़े हैं, जबकि दस्तावेजों में इन कार्यों को पूर्ण बताकर राशि का आहरण कर लिया गया है।

यह घोटाला यहां के स्थानीय जिम्मेदारों की उदासीनता और मिलीभगत की ओर स्पष्ट इशारा करता है। शासन ने ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से वर्ष 2016 में ग्राम पंचायतों में खेल मैदानों के निर्माण की योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत बमोरी जनपद की 80 पंचायतों में खेल मैदानों का निर्माण मनरेगा के तहत कराया जाना था। निर्माण कार्यों में शौचालय, दर्शकों के बैठने की उपयुक्त व्यवस्था (सीटिंग अरेंजमेंट), नालीनुमा बाउंड्री और मांग पत्र की तर्ज पर अन्य सुविधाओं को भी शामिल किया जाना था। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2016 से 2018 के बीच बमोरी की अधिकांश पंचायतों में निर्माण कार्य के लिए राशि स्वीकृत की जा चुकी थी, लेकिन जब ग्राउंड जीरो पर पड़ताल की गई, तो हकीकत चौंकाने वाली निकली।

जाँच में पता चला कि 1 सैकड़ा स्वीकृत खेल मैदानों में से महज 25 का ही कार्य किसी तरह पूरा हुआ है, खेल मैदानों का कार्य कागज़ों में ही पूर्ण दिखा दिया गया। इन पंचायतों में कार्य शेष होने के बावजूद राशि का आहरण कर लिया गया है, जिससे विकास कार्य अब भी अधूरा है। इस बड़े भ्रष्टाचार पर जनपद सीईओ और इंजीनियर जैसे जिम्मेदार अधिकारियों की नजर 9 वर्ष बीत जाने के बाद भी नहीं गई है, जो अपने आप में एक बड़ा प्रश्न है। सूत्रों का कहना है कि जनपद में इस तरह का भ्रष्टाचार कोई नया नहीं है; बराबर की बंदरबांट और राजनीति के दबाव के चलते कोई भी जिम्मेदार अधिकारी यहां के भ्रष्टाचार को उजागर करने की हिमाकत नहीं करता और योजनाएं केवल कागजों में विकसित होकर जिम्मेदार खुद का विकास कर लेते हैं।

इस मामले में जब जिम्मेदारों से बात की गई, तो उनका सफेद झूठ सामने आया।

ग्राम पंचायत कुडका के सचिव केदार सिंह लोधा ने दावा किया कि निर्माण उनके चार्ज से पहले कराया गया था और उन्होंने मौके पर कुढका और गणेशपुरा में खेल मैदान देखे भी हैं। लेकिन जब टीम ने उनके बताए गए स्थानों पर मौके पर जाकर पड़ताल की, तो पता चला कि उन जगहों पर ऐसा कोई निर्माण कार्य कभी हुआ ही नहीं है। इसी तरह, बरबन पंचायत के रोजगार सहायक जगदीश धाकड़ ने दावा किया कि निर्माण बरबन और बागुरिया गांव में हुआ था और पूर्व में इसकी जांच भी हो चुकी है। सचिव द्वारा दी गई जानकारी से यह तय हो गया कि पंचायत में निर्माण की स्थिति संदेहास्पद है। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा शिकायत करने के बाद जनपद के जिम्मेदारों ने जांच को गोलमाल कर दिया था। बरबन पंचायत में भ्रष्टाचार की शिकायतों का खाका काफी लंबा है, जिन पर आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। वहीं, जब जनपद की अन्य पंचायतों रामपुर, अजरोड़ा, बिलखेड़ा, लालोनी और ग्वारखेड़ा के जिम्मेदारों से जानकारी के लिए संपर्क किया गया, तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

कर्मचारियों ने निजी कमाई का जरिया बना लिया

यह स्थिति दर्शाती है कि ग्रामीण विकास की योजनाओं को किस तरह से भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी निजी कमाई का जरिया बना लिया है। गौरतलब है कि पूर्व में तत्कालीन अपर कलेक्टर आदित्य सिंह ने जिला सीईओ के प्रभार रहते ऐसे कई मामलों में संलिप्त पंचायत सचिवों पर कार्यवाही की थी, लेकिन उन्हें भी कुछ समय बाद ही हटा दिया गया था, जिससे भ्रष्टाचार को रोकने में राजनीतिक दबाव की भूमिका स्पष्ट होती है। इस पूरे मामले में उच्च स्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की आवश्यकता है, ताकि ग्रामीण युवाओं को उनके अधिकार का खेल मैदान मिल सके।

दारू-मुर्गा पार्टी की गुलामी से तंग बहू ने खाया जहर : दबाव बनाने का आरोप

गुना। जिले के सिरसी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चंदेरा में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहां 30 वर्षीय महिला रीना बाई पत्नी जय पाल सिंह यादव की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। मंगलवार सुबह जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने मृतका का शव परिजनों को सौंप दिया। इस मामले में मृतका के पति ने सीधे तौर पर जेठ और देवर पर प्रताडना का आरोप लगाया है, साथ ही पुलिस के ढीले रवैये पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मृतका के पति जय पाल सिंह यादव ने जिला चिकित्सालय परिसर में बताया कि उनके बड़े भाई राजाराम और चाचा के लडके राजवीर यादव की आए दिन की प्रताडना से उनकी पत्नी रीना बाई तंग आ चुकी थी। यादव ने आरोप लगाया कि दोनों आरोपी अक्सर 10 से 20 लोगों को बुलाकर दारू और मुर्गा की पार्टियां करते थे, जिसके लिए उनकी पत्नी रीना बाई को लगातार रोटियां बनाने का दबाव बनाया जाता था। यह सिलसिला पिछले लगभग चार महीनों से चल रहा था, जिसके कारण महिला मानसिक रूप से काफी परेशान थी और अक्सर कुछ खाकर मर जाने की बात कहती थी। परिजनों के अनुसार, गत दिवस दोपहर में भी राजाराम और राजवीर ने जब पार्टी के लिए रोटी बनाने को कहा, तो रीना बाई ने अपनी परेशानी जताते हुए फिर से जान देने की बात दोहराई। इस पर आक्रोशित जेठ राजाराम और देवर राजवीर ने गुस्से में आकर उसे जहर की पुडिया लाकर दे दी और उसे अपने सामने ही खाने के लिए मजबूर किया। तैश में आकर रीना बाई ने जहर खा लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। घटना की जानकारी बेटे रामकुमार ने पति जय पाल सिंह को दी, जिसके बाद वह देर रात लगभग 8 बजे पत्नी को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सबसे चौंकाने वाला और गंभीर आरोप यह है कि पति जय पाल सिंह यादव ने दावा किया है कि सिर्फ चार दिन पहले ही वे दोनों आरोपियों की शिकायत सिरसी की थे, लेकिन पुलिस ने उस समय कोई कार्यवाही नहीं की। यादव का कहना है कि अगर पुलिस ने समय रहते आरोपियों के खिलाफ कदम उठाया होता, तो उनकी पत्नी को यह घातक कदम नहीं उठाना पड़ता।

मन नशामुक्ति केंद्र में 15 मरीजों की नि:शुल्क भर्ती

गुना। मन मनोचिकित्सा संस्थान एवं नशामुक्ति नर्सिंग होम (डीडीएसी) में मंगलवार को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से स्वीकृत जिला नशामुक्ति नर्सिंग होम द्वारा 15 मरीजों की निशुल्क भर्ती की गई। डायरेक्टर डॉ. अनिल विजयवर्गीय द्वारा मरीजों की जांच व परीक्षण करने के बाद आए लगभग 20 मरीजों में से 15 को भर्ती किया गया, जबकि शेष मरीजों को अगले माह बुलाया गया। मन कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन एंड साइकोलॉजिकल स्टडीज के एम.फिल क्लिनिकल साइकोलॉजी विभाग के प्रोफेसर

एवं प्रमुख डॉ. अजय शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर शिवानी किरार, समृद्धि ओली तथा एम.फिल एवं पीडीसीपी ट्रेनी द्वारा अन्य मरीजों को काउंसलिंग प्रदान की गई। इस दौरान संस्था के कोषाध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव, शुभिका विजयवर्गीय, पंकज कुशवाह, हितेश कुशवाह, परमानंद किरार और राहुल कुशवाह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

फतेहगढ़ में एकल अभियान का 30 घंटे का आवासीय प्रशिक्षण संपन्न, उत्कृष्ट आचार्यों का सम्मान

नवभारत न्यूज

गुना। एकल अभियान के फतेहगढ़ संच में सोमवार से शुरू हुआ 30 घंटे का आवासीय मासिक प्रशिक्षण वर्ग मंगलवार को विधिवत सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का समापन मां सरस्वती और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्रशिक्षण वर्ग में एकल अभियान प्रभाग जागरण शिक्षा प्रभारी विकास जैन नखराली ने आचार्यों को संबोधित करते हुए कहा कि एकल अभियान का उद्देश्य पंचमुखी शिक्षा के माध्यम से जनजातीय और ग्रामीण क्षेत्रों के वंचित बच्चों

को शिक्षित कर उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा से जोडना है। उन्होंने बताया कि एकल विद्यालय बच्चों में सांस्कृतिक, नैतिक और शैक्षणिक मूल्य विकसित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में एकल अध्यक्ष मनीष भार्गव ने संस्कार शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि संस्कारित जीवनशैली से ही संस्कारित समाज और राष्ट्र का निर्माण संभव है। चंबल भाग कार्यालय प्रमुख विजय सिंह, संच अध्यक्ष नंदकिशोर बैरागी, संच सचिव अरविंद श्रीवास्तव और संच महिला अध्यक्ष शारदा त्रिपाठी ने भी प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित कर आचार्यों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर अंचल गतिविधि प्रमुख पप्पू सिंह बंजारा, अंचल व्यास सोनू बंजारा, संच प्रमुख कल्याण सिंह, नवीन संच सदस्य संतोष ओझा, सदस्य कैलाश, पूर्व संच प्रमुख राजकुमार शर्मा सहित सभी आचार्य बहन-भाई उपस्थित रहे। फतेहगढ़ संच से 15 आचार्य ए ग्रेड में चयनित हुए, जिनमें प्रथम रवीना अहिरवार (ग्राम सावरा मोदी), द्वितीय संतोष जाटव (ग्राम झिरी) और तृतीय नम्रता लोधी (ग्राम जागेश्वरी) रहे।

जनसुनवाई : सफाईकर्मी, ग्रामीण और मोहल्लेवासी पहुंचे कलेक्टर के द्वार

गुना। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में चार प्रमुख मुद्दों को लेकर बड़ी संख्या में आवेदक कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के नेतृत्व में 20 साल से कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों ने स्थायी कर्मी योजना के तहत विनियमितीकरण और आबादी के अनुपात में नई भर्ती की मांग की। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों से पृथ्वीगंज मुक्तिधाम और कुड़ी मंगवार चरनोई भूमि पर हुए अवैध कब्जों को हटाने की गुहार लगाई गई। इसके अलावा, कालापाठ मोहल्ले की महिलाएं लगातार दूसरे मंगलवार को सार्वजनिक आम रास्ते पर हुए अवैध निर्माण (ईंटों की दीवार) की शिकायत लेकर पहुंचीं, जिससे अर्थी तक ले जाने की समस्या उत्पन्न हो गई है। कलेक्टर ने सभी गंभीर मामलों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इस मौके पर अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस गुना से जुड़े सफाई कर्मचारियों ने जनसुनवाई

कार्यक्रम में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने ग्राम पंचायत काल से कार्यरत दैनिक वेतन भोगी सफाईकर्मियों को स्थायी कर्मी योजना के तहत विनियमित करने और नगर परिषद में आबादी के अनुपात में नए कर्मचारियों की नियुक्ति की मांग की। संगठन के जिला अध्यक्ष महेश पारोठिया सहित अन्य पदाधिकारियों और मधुसूदनगढ़ नगर परिषद के समस्त सफाई कर्मचारियों द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया कि कई दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी 15 से 20 वर्षों से लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक स्थायी कर्मी योजना (16 मई 2007 से 1 सितंबर 2016) का लाभ नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएमओ द्वारा ग्राम पंचायत काल के वेतन पत्रक और मस्टर उपस्थिति पत्रक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, जिनके आधार पर इन कर्मचारियों का विनियमितीकरण होना है। इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों ने यह भी बताया कि नगर परिषद मधुसूदनगढ़ की आबादी 21,000 से अधिक है, जबकि सफाई कर्मचारियों की संख्या आबादी के अनुपात में काफी कम है, जिससे सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कलेक्टर से मांग की गई कि वे सीएमओ को यह आदेश दें कि वे ग्राम पंचायत काल से कार्यरत कर्मचारियों का विनियमितीकरण सुनिश्चित करें और साथ ही निकाय की बढ़ी हुई आबादी के हिसाब से नए सफाई कर्मचारियों को कलेक्टर दर पर तत्काल नियुक्त करें। कलेक्टर ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें मांगों पर शीघ्र ही उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मुक्तिधाम की ज़मीन पर कब्ज़ा

इधर जिले की ग्राम पंचायत ऊमरी के पृथ्वीगंज गांव में मुक्तिधाम की जमीन पर दबंग व्यक्ति द्वारा अवैध कब्जा कर निर्माण किए जाने की शिकायत सामने आई है। जनसुनवाई कार्यक्रम में सरपंच सहित समस्त ग्रामीणों ने कलेक्टर महोदय को आवेदन सौंपकर मुक्तिधाम की भूमि को तत्काल मुक्त कराने की मांग की। ग्रामवासियों ने कलेक्टर को बताया कि पृथ्वीगंज गांव जब से बसा है, तब से ही मुक्तिधाम (श्मशान घाट) उसी निर्धारित स्थान पर स्थित है। लेकिन अब राकेश गुप्ता नामक दबंग व्यक्ति द्वारा उस ऐतिहासिक और संवेदनशील जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों ने अपनी गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि दबंग द्वारा कब्जा कर लिए जाने के कारण अब अंतिम संस्कार करने के लिए कोई जगह नहीं बची है। यह स्थिति गांव की सामाजिक और धार्मिक व्यवस्था के लिए एक बड़ा संकट पैदा कर रही है। सरपंच और समस्त ग्रामीणों ने कलेक्टर से निवेदन किया कि वे इस अति आवश्यक भूमि को तुरंत कब्जा मुक्त कराने का आदेश दें। कलेक्टर ने ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मुक्तिधाम की जमीन से अवैध कब्जा हटवाने के लिए शीघ्र ही उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

गीता के 15 अध्याय में पुरुषोत्तम योग का किया सस्वर पाठ

नवभारत न्यूज

कुंभराज। भारत सरकार,मध्य प्रदेश शासन एवं विश्व गीता प्रतिष्ठान के सहयोग से प्रदेश के सभी संभागों, जिलों, विकास खण्डों एवं तहसील मुख्यालयों पर दिनांक 01 दिसंबर 2025 सोमवार को गीता जयंती के अवसर पर कई शानदार कार्यक्रम हुए। इसी क्रम में कुंभराज शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल में सामाजिक संस्थाओं व स्थानीय प्रशासन के सहयोग से भव्य कार्यक्रम हुआ, जिसमें लगभग 500 से अधिक विद्यार्थियों एवं नगर के नागरिकों ने सहभागिता की। संस्था के प्राचार्य संजय कुमार जैन एवं अतिथियों ने दीप प्रज्वलन एवं पूजन अर्चन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तदोपरांत स्वार ताल और लय के साथ गीता स्वाध्याय मंडल के बैजनाथ धाकड़ ने प्रेरणा गीत का गायन कर आयोजन की शानदार शुरुआत की। नगर के श्री परशुराम संस्कृत वेद विद्यालय के बटुक बालकों ने

अपने आचार्य शीतल शर्मा के साथ गीता के 15 वें अध्याय का सस्वर पाठ किया. जिसे सभी ने दोहराया। लगभग 20 मिनट तक पंडाल में गीता के 15 में अध्याय के श्लोको की ध्वनियां गूंजती रही। आयोजन में विनायक कान्वेंट स्कूल के संचालक अरविंद पाराशर,प्राचार्य राधेश्याम श्रोत्रिय, गायत्री परिवार के बनवीर सिंह मीणा एवं विद्यालय के सांस्कृतिक प्रभारी रजनीश राजोरिया ने भी महान ग्रंथ गीता पर अपने-अपने विचार रखें और गीता को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित करने की मांग की, तदोपरांत गीता जी की सामूहिक आरती हुई। संचालन डॉ गोविंद शर्मा ने किया एवं सभी के सहयोग का आभार प्रदर्शन गीता स्वाध्याय मंडल के संचालक बैजनाथ धाकड़ ने किया। विनायक कान्वेंट, महेश विद्या मंदिर, सरस्वती शिशु मंदिर, कैरियर कान्वेंट स्कूल,मदर इन्फेंट केयर स्कूल, बालक हायर सेकेंडरी स्कूल, विनायक विद्या निकेतन, गुना पब्लिक स्कूल एवं श्री परशुराम संस्कृत वेद विद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्टाफ की सराहनीय उपस्थिति रही।

पंचमुखी मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा के दिव्य प्रवचनों से गुंजायमान हुआ परिसर

नवभारत न्यूज

गुना। पंचमुखी हनुमान जी मंदिर गौशाला प्रांगण में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में व्यास पं. चन्द्र प्रकाश मिश्र (तीर्थराज प्रयाग) ने मंगलवार को जीवात्मा और परमात्मा के दिव्य संबंध का अद्भुत तात्विक ज्ञान श्रोताओं को प्रदान किया। उन्होंने प्रवचन में बताया कि जीवात्मा के अंतःकरण में ही श्री कृष्ण का वास है तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए तृष्णा, लोभ, मोह, पाप और दुष्कामनाओं रूपी पूतना, तृणावर्त, बकासुर और अघासुर का दमन आवश्यक है। पं. मिश्र द्वारा वर्णित श्री कृष्ण की बाल लीलाओं ने उपस्थित भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया और वातावरण वृंदावन-सा पवित्र हो उठा। कथा आयोजन मध्यप्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर एवं सेवानिवृत्त अभियंता संघ, शासकीय-निजी कर्मचारियों और ठेकेदारों के सहयोग से हो रहा है। कार्यक्रम की व्यवस्था प्रांताध्यक्ष रवीन्द्र कुशवाह, एम.एस. नरवरिया, हरि सिंह रघुवंशी, योगेन्द्र शुक्ल और आर.एस. तोमर द्वारा सतत् रूप से की जा रही है। कथा का समापन 4 दिसंबर को हवन, पूजन और प्रसाद वितरण के साथ होगा।

सराहनीय पहल दहेज के रूप में मात्र 21 पौधे स्वीकार किए

सामाजिक संदेशों से सराबोर रहा मयंक-राशि का विवाह समारोह

नवभारत न्यूज

गुना। मयंक एवं राशि का विवाह समारोह शहर में चर्चा का विषय बना रहा। जहां अधिकांश शादियाँ ऐश्वर्य और दिखावे तक सीमित रहती हैं, वहीं इस दंपति ने अपने विवाह को सामाजिक सरोकारों और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित करते हुए एक अनूठा संदेश दिया। विवाह के पूर्व किए गए प्री-वेडिंग शूट को इन दोनों ने सामाजिक गतिविधियों से जोड़ा।

वे गुना के तीन स्थानों पर पहुंचे—साई दृष्टि स्कूल, जहां दृष्टिबाधित बच्चों से बातचीत की और उनके साथ भजन गाए। लायंस नेत्र चिकित्सालय, जहां मरीजों को फल वितरित कर नेत्रदान का संकल्प लिया। शहीद भगत सिंह पुस्तकालय, जहां बच्चों से अध्ययन एवं भविष्य से जुड़े विषयों पर चर्चा की। विवाह समारोह में शामिल हुए करीब 2500 अतिथियों को इन सभी पहल का वीडियो बड़ी स्क्रीन पर दिखाया गया। साथ ही जल संरक्षण, रक्तदान और हेल्मेट की अनिवार्यता पर आधारित जागरूकता पोस्टर्स भी आकर्षण का केंद्र रहे। पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए दंपति ने दहेज के रूप में किसी भी प्रकार की धनराशि लेने से इनकार कर मात्र 21 पौधे स्वीकार किए। बारातियों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को घटाने के उद्देश्य से सब्जी एवं किराना खरीदने के लिए कपड़े के बैग उपहार में दिए गए।

बारात में पटाखों का पूर्णत: उपयोग नहीं किया गया, जिससे वायु प्रदूषण से बचाव रहा। वहीं भोजन परोसने में पत्तों से बने दोने तथा रीयूजेबल क्रॉकरी का उपयोग कर कचरा एवं प्लास्टिक की मात्रा कम करने की पहल की गई। समाज में जागरूकता की दिशा में मयंक एवं राशि द्वारा किया गया यह प्रयास प्रशंसनीय बताया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों एवं अतिथियों ने भी इस पहल को सराहा और इसे प्रेरणा देने वाला कदम बताया।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 की तैयारी तेज, नपा ने शुरू किया होम कम्पोस्टिंग जागरुकता अभियान

गुना। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 की तैयारियों के तहत नगर पालिका परिषद गुना द्वारा शहर में स्वच्छता जागरूकता गतिविधियों को गति दी जा रही है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी मंजुषा खत्री के निर्देशानुसार निकाय की सहयोगी स्वच्छता संस्था सिद्धिविनायक वेस्ट मैनेजमेंट द्वारा सोमवार को गीला-सूखा कचरा पृथक्करण और होम कम्पोस्टिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नागरिकों को जागरूक किया गया। संस्था के सदस्य घर-घर पहुंचकर लोगों को गीले कचरे से खाद बनाने, 4-बिन सिस्टम के उपयोग, और कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन के बारे में जानकारी दे रहे हैं। अभियान के दौरान आईईसी टीम के सदस्यों ने बताया कि घर से निकलने वाले गीले कचरे का निपटान घर पर ही होम कम्पोस्टिंग विधि से किया जा सकता है, वह भी बिना किसी अतिरिक्त खर्च के। इस विधि से तैयार खाद का उपयोग घर के बगीचे और गमलों में किया जा सकता है, जिससे न केवल कचरे का सही समाधान होता है बल्कि पौधों की वृद्धि में भी लाभ मिलता है। यह जागरूकता अभियान नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जिम्मेदार बनाने और शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन हेतु ऐसे प्रयासों को शहरवासियों की सराहना भी मिल रही है।